

यफो सत्रुपुण्यकाविविज्याकस्यपातालोत्त्रपाठयाप
॥ वं ॥ श्रीपुरेन्दहेमान्यनवसुनाइश्वरकृतं ॥ तद
हंसं प्रवक्षामि आत्मरक्षासदाभवेत् ॥ २ ॥ श्री
पुरसुरदैत्यकुत्तकेता ॥ ब्रह्माइश्वरं नन्दयकात्त
पागुन्हपाप्रवक्षामि आत्मारक्षानुयमाल ॥ २ ॥
पादोरक्षानुगोवीन्दजघंयो लुभिवोक्तप्र ॥ ३ ॥
रभ्यांकेसयो रक्षान्कदाचैवजनार्दन ॥ ३ ॥ पादु
कांतीसंगोवीन्दनरक्षायोवेमाल एवंपास

वीसु वीवीकमन रक्षायाय माल ॥ १ ॥ घाथ सकेश
 वन रक्षायाय माल मलहार सजनार्दन नन रक्षा
 याय माल ॥ ३ ॥ नाभ सुअचुन रक्षगुह्य सुवा
 मज तथा ॥ उदरे पल्लवा भंच हरी पूर्व च रक्षा
 तु ॥ ४ ॥ ते फुल अचुन नन रक्षायाय माल ॥ सुन
 दार सुवा मज नन रक्षायाय ॥ पेन पास पदमना
 भनन रक्षायाय माल हरी नजला धुली सरक्षा
 याय माल ॥ ४ ॥ वाम पार्श्व ततो वी सुदक्षीणे

राम
 १

मधु सुन्दरा ॥ बाहु भ्यावा सुदेवं ध्रुवदयं च ज
 नार्दन ॥ ५ ॥ खलनाहानी त विसुन रक्षाया
 य माल ॥ जलनाहानी समधु सुन्दर नन रक्षा
 याय माल वाहाने षे सुवा सुदेवनन रक्षायाय
 माल ॥ नुगल संजनार्दन नन रक्षायाय माल
 ॥ ५ ॥ कंठे रक्षतु वा एह कूल च मुस्य मन्दले ॥
 माधवा कर्न पोरक्ष कषिके सधना सीके ॥ ६ ॥
 ॥ कठ सव एहन रक्षायाय माल ॥ सुनु सश्री

५९

३

कृष्णनरक्षायायमालनृसपोतसमाधवनर
क्षायायमाल॥नाभीकासकृषीकेसवनरक्षा
यायमाल॥६॥जेनेनाएयहोरेक्षेननामेगद्द
ध्वज॥कपालीकेसवारक्षत्रैजतेयतुरक्षत
॥७॥मोखासनाएपननरक्षायायमालकपा
लसगद्दनरक्षायायमाल॥डातालेहरेस
केसवनरक्षायायमाल॥अकालमृत्युजुयुग
वैजतेनरक्षायायमाल॥८॥श्रीवन्तसर्वगा

सम
३